R. A. PODAR COLLEGE OF COMMERCE & ECONOMICS, MATUNGA.

ऑनलाइन प्रारंभिक परीक्षा (Online Preliminary Exam)

दिनांक : 11 /01/2022 | **कृतिपत्रिका** | **अंक : ८०**

कक्षा : बारहवीं | **विषय : हिंदी** | **समय :** ३ घंटे ३०मिनट

(1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य की सभी कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।

(4) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

विभाग १ : गद्य - अंक २०

कृति : १ (अ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए । **(६)**

पाप काँपता है और अब उसे लगता है कि इस वेग में वह पिस जाएगा, बिखर जाएगा। तब पाप अपना ब्रह्मास्त्र तोलता है और बोलकर सत्य पर फेंकता है । यह ब्रह्मास्त्र है - श्रद्धा।

इन क्षणों में पाप का नारा होता है - "सत्य की सुधारक की जय ।" अब वह सुधारक की करने लगता है चरणवंदना और उसके सत्य की महिमा का गान और बखान।

सुधारक होता है करुणाशील और उसका सत्य विश्वासी। वह पहले चौंकता है, फिर कोमल पड़ जाता है और तब उसका वेग बन जाता है शांत और वातावरण में छा जाती है सुकुमारता।

पाप अभी तक सुधारक और सत्य के जो स्तोत्र पढ़ता जा रहा था, उनका करता है यूँ उपसंहार "सुधारक महान है, वह लोकतंत्र है, मानव नहीं, वह तो भगवान है, तीर्थंकर है, अवतार है, पैगंबर है, संत है । उसकी वाणी में जो सत्य है, वह स्वर्ग का अमृत है। वह हमारा वंदनीय है, स्मरणीय है, पर हम पृथ्वी के साधारण मनुष्यों के लिए वैसा बनना असंभव है, उस सत्य को जीवन में उतारना हमारा आदर्श है, पर आदर्श को कब, कहाँ, कौन पा सकता है?" और इसके बाद उसका नारा हो जाता है, "महाप्रभु सुधारक वंदनीय है, उसका सत्य महान है, वह लोकोत्तर है ।"

(१) उत्तर लिखिए । (२)

(i) पाप सत्य पर यह फेंकता है - .....

(ii) पाप का ब्रह्मास्त्र - .....

(iii) अब पाप का नारा यह होता है - .....

(iv) अब पाप सुधारक की यह करने लगता है - .....

(१) निम्नलिखित शब्दों के लिए विलोम शब्द लिखिए । (२)

(i) कोमल * (ii) स्वर्ग *

(iii) पाप * (iv) अमृत *

(३) 'लोगों के सक्रिय सहभाग से ही समाज सुधारक का कार्य सफल हो सकता है', इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार स्पष्ट कीजिए । (२)

(आ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए । **(६)**

कुछ दिन बाद एक सुंदर नवयुवक साधु आगरे के बाजारों में गाता हुआ जा रहा था । लोगों ने समझा, इसकी भी मौत आ गई है । वे उठे कि उसे नगर की रीति (नियम) की सूचना दे दें, मगर निकट पहुँचने से पहले ही मुग्ध (प्रसन्न) होकर अपने-आपको भूल गए और किसी को साहस न हुआ कि उससे कुछ कहे । दम-के-दम (तुरंत) में यह समाचार नगर में जंगल की आग के समान फैल गया कि एक साधु रागी आया है, जो बाजारों में गा रहा है । सिपाहियों ने हथकड़ियाँ सँभालीं और पकड़ने के लिए साधु की ओर दौड़े परंतु पास आना था कि रंग पलट (स्थिति बदलना) गया । साधु के मुखमंडल से तेज की किरणें फूट रही थीं, जिनमें जादू था, मोहिनी थी और मुग्ध करने की शक्ति थी । सिपाहियों को न अपनी सुध रही, न हथकड़ियों की, न अपने बल की, न अपने कर्तव्य की, न बादशाह की, न बादशाह के हुक्म की ।

वे आश्चर्य से उसके मुख की ओर देखने लगे, जहाँ सरस्वती (विद्या की देवी) का वास (निवास) था और जहाँ से संगीत की मधुर ध्वनि की धारा बह रही थी । साधु मस्त था, सुनने वाले मस्त थे । जमीन-आसमान मस्त थे । गाते-गाते साधु धीरे-धीरे चलता जाता था और श्रोताओं (सुननेवाले) का समूह भी धीरे-धीरे चलता जाता था । ऐसा मालूम होता था, जैसे एक समुद्र है जिसे नवयुवक साधु आवाजों की जंजीरों से खींच रहा है और संकेत से अपने साथ-साथ आने की प्रेरणा कर रहा है ।

मुग्ध जनसमुदाय चलता गया, चलता गया, चलता गया । पता नहीं किधर को ? पता नहीं कितनी देर ? एकाएक गाना बंद हो गया । जादू का प्रभाव टूटा तो लोगों ने देखा कि वे तानसेन के महल के सामने खड़े हैं । उन्होंने दुख और पश्चात्ताप से हाथ मले और सोचा- यह हम कहाँ आ गए ? साधु अज्ञान में ही मौत के द्वार पर आ पहुँचा था । भोली-भाली चिड़िया अपने-आप अजगर के मुँह में आ फँसी थी और अजगर के दिल में जरा भी दया न थी ।

(१) संजाल पूर्ण कीजिये । (२)

संगीत से प्रभावित सिपाहियों को इनकी सुध न रही

(२) गद्यांश में प्रयुक्त शब्द-युग्म खोजकर लिखिए । (२)

(i) ..... (ii) .....

(iii) .... (iv) .....

(३) 'मनुष्य जीवन में अहिंसा का महत्त्व', इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए । (२)

(इ) निम्नलिखित में से किन्ही दो के उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए । **(६)**

(i) 'पाप के चार हथियार' निबंध का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

(ii) 'सुनो किशोरी' पाठ के आधार पर रूढ़ि, परंपरा तथा मूल्यों के बारे में लेखिका के विचार स्पष्ट कीजिए ।

(iii) 'क्लोरो फ्लोरो कार्बन (सी.एफ.सी.) नामक यौगिक की खोज प्रशीतन के क्षेत्र में क्रांतिकारी उपलब्धि रही ।' स्पष्ट कीजिए ।

(ई) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । (कोई - २) **(२)**

(i) सुदर्शन जी ने इस लेखक की परंपरा को आगे बढाया -

(ii) आशारानी व्होरा जी की रचनाएँ ।

(iii) लेखक कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी की भाषा शैली -

(iv) 'कोखजाया' कहानी के हिंदी अनुवादक का नाम -

विभाग २ : पद्य - अंक २०

कृति : २ (अ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए । **(६)**

सरसुति के भंडार की, बड़ी अपूरब बात ।
ज्यौं खरचै त्यौं-त्यौं बढै, बिन खरचे घटि जात ।।
नैना देत बताय सब, हिय को हेत-अहेत ।
जैसे निरमल आरसी, भली बुरी कहि देत ।।
अपनी पहुँच बिचारि कै, करतब करिए दौर ।
तेते पाँव पसारिए, जेती लाँबी सौर ।।
फेर न वै हैं कपट सो, जो कीजै ब्यौपार ।
जैसे हाँड़ी काठ की, चढ़े न दूजी बार ।।
ऊँचे बैठे ना लहैं, गुन बिन बड़पन कोइ ।
बैठो देवल सिखर पर, वायस गरुड़ न होइ ।।

(१) कृति पूर्ण कीजिए । (१)

(i) पद्यांश में आए दो पक्षियों के नाम

(ii) **कारण लिखिए :** सरस्वती के भंडार को अपूर्व कहा गया है ..... (१)

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए समानार्थी शब्द लिखिए । (२)

(i) हिय - (ii) आरसी -

(iii) पयोद - (iv) सौर -

(३) 'चादर देखकर पैर फैलाना बुद्धिमानी कहलाती है' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों व्यक्त कीजिए । (२)

(आ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए । (६)

आँखों में बहुत बाढ़ है, शेष सब कुशल ।
जीवन नहीं अषाढ़ है, फिर शेष सब कुशल ।
सड़क ने जब मेरे पैरों की उँगलियाँ देखीं;
कड़कती धूप में सीने पे बिजलियाँ देखीं ।
साँस हमारी हमें पराये धन-सी लगती है,
साहुकार के घर गिरवी कंगन-सी लगती है ।
किसी का सर खुला है तो किसी के पाँव बाहर हैं,
जरा ढंग से तू अपनी चादरों को बुन मेरे मालिक ।
वह जो मजदूर मरा है, वह निरक्षर था मगर,
अपने भीतर वह रोज, इक किताब लिखता था ।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए । (२)

पद्यांश में प्रयुक्त शरीर के अंग

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचान कर लिखिए । (२)

(i) किताब - (ii) साहुकार -
(iii) कंगन - (iv) आँख -

(३) 'क्रांति कभी-भी अपने आप नहीं आती; वह लाई जाती है' इस कथन पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए । (२)

(इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'नवनिर्माण' कविता का रसास्वादन कीजिए । (६)

(i) रचनाकार का नाम -
(ii) पसंद की पंक्तियाँ -
(iii) पसंद आने के कारण -
(iv) केन्द्रीय कल्पना -

अथवा

"पेड़ हौसला है, पेड़ दाता है" इस कथन के आधार पर 'पेड़ होने का अर्थ' कविता का रसास्वादन कीजिए ।

(ई) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । (कोई - २) **(२)**

(i) त्रिलोचन जी के दो काव्य संग्रहों के नाम लिखिए ।

(ii) गुरु नानक जी की भाषा शैली की विशेषताएँ -

(iii) गज़ल किस भाषा का लोकप्रिय काव्य प्रकार है ?

(iv) डॉ. मुकेश गौतम जी की रचनाएँ -

विभाग ३ : विशेष अध्ययन - अंक १०

कृति : ३ (अ) काव्य पंक्तियाँ पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (६)

नीचे की घाटी से
ऊपर के शिखरों पर
जिसको जाना था वह चला गया-
हाय मुझी पर पग रख
मेरी बाँहों से
इतिहास तुम्हें ले गया !
सुनो कनु, सुनो
क्या मैं सिर्फ एक सेतु थी तुम्हारे लिए
लीलाभूमि और युद्धक्षेत्र के
अलंघ्य अंतराल में !
अब इन सूने शिखरों, मृत्यु घाटियों में बने
सोने के पतले गुँथे तारोंवाले पुल-सा
निर्जन, निरर्थक काँपता-सा,
यहाँ छूट गया-मेरा यह सेतु जिस्म
जिसको जाना था वह चला गया ।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए । (२)

कनुप्रिया के अनुसार सेतु जिस्म की स्थिति

(२) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए । (२)

(i) ऊपर * (ii) पतला *

(iii) निरर्थक * (iv) मृत्यु *

(३) 'व्यक्ति को कर्मप्रधान होना चाहिए' इस विषय पर अपना मत ४० से ५० शब्दों में लिखिए । (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए । **(४)**

(i) 'कवि ने राधा के माध्यम से आधुनिक मानव की व्यथा का मार्मिक चित्रण किया है ।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

(ii) राधा की दृष्टि से जीवन की सार्थकता बताइए ।

विभाग ४ : व्यावहारिक हिंदी/अपठित गद्यांश/पारिभाषिक शब्दावली - अंक २०

कृति : ४ (अ) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए । **(६)**

(१) गायिका लता मंगेशकर पर फीचर लेखन कीजिए ।

अथवा

परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए ।

अच्छे मंच संचालक के लिए आवश्यक है - अच्छी तैयारी । वर्तमान समय में संगीत संध्या, बर्थ डे पार्टी या अन्य मंचीय कार्यक्रमों के लिए मंच संचालन आवश्यक हो गया है । मैंने भी इस तरह के अनेक कार्यक्रमों के लिए सूत्र संचालन किया है । जिस तरह का कार्यक्रम हो, तैयारी भी उसी के अनुसार करनी होती है । मैं भी सर्वप्रथम यह देखता हूँ कि कार्यक्रम का स्वरूप क्या है ? सामाजिक, शैक्षिक, राजनीतिक, कवि सम्मेलन, मुशायरा या सांस्कृतिक कार्यक्रम ! फिर उसी रूप में मैं कार्यक्रम का संहिता लेखन करता हूँ। इसके लिए कड़ी साधना व सतत प्रयास आवश्यक है । कार्यक्रम की सफलता सूत्र संचालक के हाथ में होती है । वह दो व्यक्तियों, दो घटनाओं के बीच कड़ी जोड़ने का काम करता है । इसलिए संचालक को चाहिए कि वह संचालन के लिए आवश्यक तत्त्वों का अध्ययन करें । सूत्र संचालक के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण गुणों का होना आवश्यक है । हँसमुख, हाजिरजवाबी, विविध विषयों का ज्ञाता होने के साथ-साथ उसका भाषा पर प्रभुत्व (पकड़) होना आवश्यक है । कभी-कभी किसी कार्यक्रम में ऐन वक्त पर परिवर्तन होने की संभावना रहती है। यहाँ सूत्र संचालक के भाषा प्रभुत्व की परीक्षा होती है। पूर्व निर्धारित अतिथियों का न आना, यदि आ भी जाए तो उनकी दिनभर की कार्य व्यस्तता का विचार करते हुए कार्यक्रम पत्रिका में संशोधन/सुधार करना पड़ता है । आयोजकों की ओर से अचानक मिली सूचना के अनुसार संहिता में परिवर्तन कर संचालन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाना ही सूत्र संचालक की विशेषता होती है ।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए । (२)

सूत्र संचालक के लिए महत्वपूर्ण गुण

(२) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए । (२)

(i) अतिथियों - (ii) संभावना -

(iii) प्रयास - (iv) पत्रिका -

(३) अपने कनिष्ठ महाविद्यालय में मनाए जाने वाले 'हिंदी दिवस समारोह' का सूत्र संचालन इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार प्रकट कीजिए । (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए । **(४)**

(१) पल्लवन की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

(२) ब्लॉग लेखन से तात्पर्य ।

अथवा

सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए ।

(१) लेखक आनंद प्रकाश सिंह ने रेडिओ उद्घोषक पद पर कितने वर्ष तक सेवाएँ प्रदान की ?

(अ) 15 (आ) 29 (इ) 18 (ई) 23

(२) हिंदी में यह शब्द अंग्रेजी 'Expansion' शब्द के प्रतिशब्द के रूप में आता है -

(अ) उद्घोषक (आ) पत्रकारिता (इ) पल्लवन (ई) मंच संचालक

(३) 'ब्लॉग' अपना विचार, अपना मत व्यक्त करने का एक माध्यम है -

(अ) डिजिटल (आ) प्रसारण (इ) सामाजिक (ई) प्रचार

(४) पाठक की मानसिक योग्यता और पृष्ठभूमि को ध्यान में रखकर फीचर लेखन किया जाना चाहिए -

(अ) बौद्धिक (आ) सामाजिक (इ) राजकीय (ई) शैक्षिक

(इ) अपठित गद्यांश पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए । **(६)**

"हालाँकि यह स्थिति सिर्फ सचदेव बाबू की ही नहीं थी । पूरे शहर पर खौफ का यह कहर था । आए दिन चोरी, लूट, हत्या, बलात्कार, राहजनी और अपहरण की घटनाओं ने लोगों को भयभीत और असुरक्षित बना दिया था । कभी रातों में गुलज़ार रहनेवाला उनका यह शहर अब शाम गहराते ही शमशानी सन्नाटे में तब्दील होने लगा था । अब रातों में सडको और गलियों में नज़र आने वाले लोग शहर के सामान्य और संभ्रात नागरिक नहीं, संदिग्ध लोग होते थे । कब किसके यहाँ क्या हो जाए, सब आतंकित थे । जब इस शहर में अपना यह घर बनवा रहे थे सचदेव बाबू तो बहुत प्रसन्न थे कि महानगरों में दमघोंटू, विषाक्त, अजनबीयत और छल - छाद्मी वातावरण से अलग इस शांत सहज और निश्छल-निर्दोष गँवई शहर में बस रहे हैं । लेकी अब तो महानगर की अपेक्षा यहाँ की भयावहता बुरी तरह से त्रस्त और परेशान कर दिया था । ये बरसती रातें तो उन्हें बर्बादी और तबाही का साक्षात संकेत जान पड़ती थी । इस अँधेरी, तूफानी, बरसाती रात में जिस बात को लेकर डर रहे थे उसका आभास भी अब उन्हें होने लगा था । उन्हें लगा आगंतुक की आहट होने लगी । उनकी शंका सही थी अब दरवाजे पर थपथपाहट की आवाज भी आने लगी थी । सचमुच कोई आ धमका था ।"

(१) संजाल पूर्ण कीजिए । (२)

	आरा शहर में फैले खौफ के कारण	

(२) निम्नलिखित शब्द के लिए परिच्छेद में से प्रयुक्त शब्द खोजकर लिखिए । (२)

(i) डर - (ii) रास्ता -

(iii) निशा - (iv) शक -

(३) महानगरों में बढ़ते आतंक पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में व्यक्त कीजिए । (२)

(ई) निम्नलिखित में से किन्ही चार के हिंदी पारिभाषिक शब्द लिखिए । **(४)**

(i) Agenda - (ii) Commissioner -

(iii) Judge - (iv) Warning -

(v) Balance - (vi) Payment -

(vii) Speed - (viii) Output -

विभाग ५ : व्याकरण - अंक १०

कृति ५ (अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए । (कोई दो) **(२)**

(i) सारे विश्व की मस्ती वहीँ आ गई । (पूर्ण वर्तमानकाल)

(ii) संगीत की मधुर ध्वनि की धारा बह रही है । (अपूर्ण भूतकाल)

(iii) मुझे वह हथियार मिल गया । (सामान्य भविष्यकाल)

(iv) उसके लिए समय रुकेगा । (सामान्य वर्तमानकाल)

(आ) निम्न पंक्तियों में उद्धृत अलंकार पहचानकर उनके नाम लिखिए । (कोई दो) **(२)**

(i) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो ।

(ii) राधा वदन चंद सो सुंदर ।

(iii) एक म्यान में दो तलवारें, कभी नहीं रह सकती है।
किसी और पर प्रेम पति का, नारियाँ नहीं सह सकती है ।।

(iv) हनुमंत की पूँछ में लग न पाई आग ।
लंका सगरी जल गई, गए निशाचर भाग ।।

(इ) निम्न पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उनके नाम लिखिए । (कोई दो) **(२)**

(i) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात ।
भरे भौन में करत हैं, नैननु ही सौं बात ।।

(ii) तू दयालु दीन हौं, तू दानि हौं भिखारि ।
हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पाप पुंजहारि ।

(iii) कहा - कैकयी ने सक्रोध
दूर हट ! दूर हट ! निर्बोध !
द्विजिव्हे रस में, विष मत घोल ।

(iv) सुडुक, सुडुक घाव से पिल्लू निकाल रहा है,
नासिका से श्वेत पदार्थ निकाल रहा है ।

(ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए । (कोई-२) **(२)**

(i) वाह-वाह करना -
(ii) कंठ भर आना -
(iii) ढाँचा डगमगा उठना -
(iv) राह का रोड़ा बनना -

(उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए । (कोई-२) **(२)**

(i) एक मै सफल सूत्र संचालक के रूप में प्रसिद्ध हो गया ।
(ii) बैजू बावरा जित गया ।
(iii) निराला जी अपने युग की विसिष्ट प्रतीभा हैं ।
(iv) अब मुझै प्रतीकार की प्यास है ।

****